अंक –79 07.10.2025 मंगलवार

कैमूर चेतना-सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने

समाहरणालय कैमूर

जिला शिक्षा भवन के सभाकक्ष में जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन

विज्ञान व प्रौद्योगिकी ही आधुनिक भारत के विकास की सबसे सशक्त धुरी : डीइओ

कार्यक्रम

संगोष्ठी में छात्रों ने दिखायी वैज्ञानिक बनने की सोच

प्रतिनिधि, भभुआ नगर

सोमवार को जिला शिक्षा भवन के सभाकक्ष में एससीइआरटी पटना के निर्देश के आलोक में जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी विकास कुमार डीएन ने दीप जला कर किया. उद्घाटन के उपरांत आयोजित प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी ही आधुनिक भारत के विकास की सबसे सशक्त धुरी है.

विद्यालय स्तर से ही छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने का प्रयास शिक्षा विभाग का प्रमुख उद्देश्य है. साथ ही कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना, नवीन वैज्ञानिक प्रवृत्तियों की समझ तथा आधुनिक विज्ञान के प्रति जिज्ञासा व अभिरुचि उत्पन्न करना था. विज्ञान संगोष्ठी में छात्रों द्वारा बनाये गये नवाचार की गूंज सुनायी दी और छात्रों ने भी विज्ञान के प्रति अपनी जिज्ञासा दिखायी.

दो वर्गों के लिए अलग-अलग दो विषय : विज्ञान संगोष्ठी में दोनों वर्गों के लिए अलग-अलग विषय निर्धारित किया गया था. माध्यमिक स्तर कक्षा 9-10 के लिए क्वांटम युग का आगाज, चुनौतियां व विकास विषय निर्धारित था, तो मध्य स्तर कक्षा 6-8 के छात्रों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) का उपयोग, संभावनाएं व चुनौतियां विषय निर्धारित था. संगोष्ठी में जिले के सभी प्रखंडों से चयनित एक-एक प्रतिभागी अपने उत्कृष्ट विचार व प्रस्तुति के माध्यम से विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किये. प्रतिभागियों ने आधुनिक वैज्ञानिक आविष्कारों, तकनीकी नवाचारों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम तकनीक की उपयोगिता पर अपने अपने विचार व्यक्त किये. मालूम हो जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे.

प्रमाणपत्र देकर प्रतिभागी छात्र को सम्मानित करते डीपीओ.

विज्ञान संगोष्ठी में शामिल छात्र-छात्राएं.

प्रतियोगिता में श्याम व रागिनी का रहा जलवा

विज्ञान संगोष्ठी में वर्ग 9 व 10 की प्रतियोगिता में हाइस्कूल भभुआ के छात्र श्याम पाठक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, तो द्वितीय स्थान हाइस्कूल छाव दुर्गावती के आशीष पांडे, तृतीय स्थान यूएचएस भगवतीपुर, चैनपुर के आकाश केसरी को मिला. मध्य स्तर (कक्षा 6 से 8) में यूएमएस हरिहरपुर की छात्रा रागिनी कुमारी को प्रथम स्थान, पीएम श्री हाइस्कूल छाव दुर्गावती की छात्रा रिचा शर्मा को द्वितीय स्थान और पीएम श्री हाइस्कूल रामगढ़ के छात्र प्रिंस कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान लाने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया. इस दौरान संभाग प्रभारी ओमप्रकाश मिश्रा, मृत्युंजय कुमार शर्मा, सुमित कुमार, राजेश कुमार सिंह, श्वेता सुरभि, रजनी ओझा, संतोष सिंह, अखिलेश कुमार, अनिल सिन्हा, ऋषिता सहित कई अन्य शिक्षक उपस्थित रहे. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया.

वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास व आधुनिक विज्ञान के नवाचारों से परिचित हुए स्कूली बच्चे

वैज्ञानिक सोच विकसित कर, शोधकर्ता बनकर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं विद्यार्थी

जासं, भभुआ : एससीईआरटी पटना के निर्देश पर बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा सोमवार को जिला शिक्षा भवन के सभाकक्ष में जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास और आधुनिक विज्ञान के नवाचारों से परिचय कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी विकास कुमार डीएन द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। दोनों अतिथियों ने कहा कि आज के समय में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। विद्यार्थियों में यदि वैज्ञानिक सोच विकसित हो, तो वे भविष्य के वैज्ञानिक और शोधकर्ता बनकर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।

संगोष्ठी में दो आयु-वर्गों के लिए विषय निर्धारित किए गए। जिसमें माध्यमिक स्तर कक्षा 9 व 10 के लिए क्वांटम युग का आगाज चुनौतियां एवं विकास, मध्य स्तर कक्षा 6 से 8 के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, संभावनाएं एवं चुनौतियां था। सभी प्रखंडों से चयनित प्रतिभागियों ने अपने विषय पर उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। उन्होंने क्वांटम तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मानव जीवन पर तकनीकी प्रभाव और भविष्य की वैज्ञानिक संभावनाओं पर अपने विचार रखे। निर्णायक मंडल ने प्रस्तुति की तार्किकता, अभिव्यक्ति, एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर परिणाम घोषित किए।

विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते पदाधिकारी• जागरण

माध्यमिक स्तर में प्रथम स्थान श्याम जी पाठक हाई स्कूल, भभुआ, द्वितीय स्थान, आशीष पांडेय हाई स्कूल, छाव दुर्गावती व तृतीय स्थान आकाश केशरी, यू.एच.एस., भगवतीपुर चैनपुर ने प्राप्त किया। कक्षा छह से आठ तक में प्रथम स्थान रागिनी कुमारी यू.एम.एस., हरिहरपुर, द्वितीय स्थान रिचा शर्मा पीएम श्री हाई स्कूल, छाव दुर्गावती व तृतीय स्थान, प्रिंस कुमार पीएम श्री हाई स्कूल, रामगढ़ ने प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संभाग प्रभारी ओमप्रकाश मिश्रा, मृत्युंजय कुमार शर्मा, सुमित कुमार, राजेश कुमार सिंह, श्वेता सुरभि, रजनी ओझा, संतोष सिंह, अखिलेश कुमार, अनिल सिन्हा, ऋषिता सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे।

OCTOBER 2025

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

गुरु गोविन्द सिंह

सिखों के दसवें एवं अंतिम गुरु

जन्म : 22 दिसंबर 1666, पटना
निधन : 07 अक्टूबर 1708, नांदेड महाराष्ट्र

गुरु गोबिन्द सिंह जी (जन्म: पौषशुक्ल सप्तमी संवत् 1723 विक्रमी तदनुसार 22 दिसम्बर 1666- 7 अक्टूबर 1708) सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे।
श्री गुरू तेग बहादुर जी के बलिदान के उपरान्त 11 नवम्बर सन् 1675 को 10 वें गुरू बने।
सन् 1699 में बैसाखी के दिन उन्होंने खालसा पंथ (पन्थ) की स्थापना की जो सिखों के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है।

जीवन परिचय :

पदवी	: सिखों के दसवें गुरु
प्रसिद्धि का कारण	: दसवें सिख गुरु, सिख खालसा सेना के संस्थापक एवं प्रथम सेनापति
पूर्वाधिकारी	: गुरु तेग बहादुर
उत्तराधिकारी	: गुरु ग्रंथ साहिब
धर्म	: सिख
जीवनसाथी	: माता जीतो, माता सुंदरी, माता साहिब देवां
बच्चे	: अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह, फतेह सिंह
माता-पिता	: गुरु तेग बहादुर, माता गूजरी

गुरु गोबिन्द सिंह ने पवित्र (ग्रन्थ) गुरु ग्रंथ साहिब को पूरा किया तथा उन्हें गुरु रूप में प्रतिष्ठित किया।
बचित्तर नाटक उनकी आत्मकथा है। यही उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है।
यह दसम ग्रन्थ का एक भाग है। दसम ग्रन्थ (ग्रन्थ), गुरु गोबिन्द सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है।
उन्होने अन्याय, अत्याचार और पापों को खत्म करने के लिए और धर्म की रक्षा के लिए मुगलों के साथ 14 युद्ध लड़े।
धर्म की रक्षा के लिए समस्त परिवार का बलिदान किया, जिसके लिए उन्हें 'सरबंसदानी' (पूरे परिवार का दानी) भी कहा जाता है।
इसके अतिरिक्त जनसाधारण में वे कलगीधर, दशमेश, बाजांवाले, आदि कई नाम, उपनाम व उपाधियों से भी जाने जाते हैं।

1. प्रार्थना

प्रार्थना

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

कैमूर चेतना सत्र

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय ; विचार, अभिव्यक्ति , विश्वास , धर्म और उपासना की स्वतंत्रता ; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत , अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"सच्ची महानता दूसरों की सेवा में है, न कि ऊँचे पद पाने में।"

3. दिवस विशेष

विश्व कपास दिवस

इस दिन का मुख्य उद्देश्य कपास के बहुआयामी योगदान को पहचानना और सतत विकास को बढ़ावा देना है। इसे विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा 2019 में शुरू किया गया था, और अगस्त 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता दी।

कपास-4 (बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली) की पहल पर, विश्व व्यापार संगठन ने 7 अक्टूबर 2019 को पहला विश्व कपास दिवस आयोजित किया था। यह दिन किसानों से लेकर कपड़े तक, कपास उद्योग के विभिन्न हितधारकों के योगदान को स्वीकार करता है।

4. आज का इतिहास

1919 - गांधीजी की 'नवजीवन' पत्रिका प्रकाशित।
1950 - मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ़ चैरिटी की स्थापना की थी।
1952 - चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी बनी।
1959 - सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान लूनर-3 द्वारा चंद्रमा के छिपे हिस्से की तस्वीर ली गई।
1992 -रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना की गई।

5. सामान्य ज्ञान

1. प्रधानमंत्री जन-धन योजना कब शुरू की गई थी?
   ➡ 28 अगस्त 2014 - हर नागरिक को बैंक खाता उपलब्ध कराने हेतु।
2. स्वच्छ भारत मिशन का शुभारंभ कब हुआ?
   ➡ 2 अक्टूबर 2014 — देश को स्वच्छ और खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए।
3. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना का उद्देश्य क्या है?
   ➡ कन्या भ्रूण हत्या रोकना और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना |
4. मनरेगा (MGNREGA) का पूरा नाम क्या है?
   ➡ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम।
5. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत क्या दिया जाता है?
   ➡ गरीब परिवारों को मुफ्त LPG गैस कनेक्शन।
6. स्वयं पोर्टल (SWAYAM) किस क्षेत्र से जुड़ा है? ➡ ऑनलाइन शिक्षा से।
7. मिशन अमृत सरोवर का उद्देश्य क्या है? ➡ जल संरक्षण और तालाबों का पुनर्जीवन।
8. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किसानों को कितनी धनराशि दी जाती है?
   ➡ ₹6000 प्रतिवर्ष (तीन किस्तों में)।

6. शब्द ज्ञान (Synonyms)

ability - capability, competence, skill.
achieve - attain, accomplish, realize, reach.
angry - furious, irate, livid.
beautiful - attractive, pretty, lovely, stunning.

7. कंप्यूटर ज्ञान

WWW का पूरा नाम क्या है? ➡ World Wide Web

8. प्रेरक प्रसंग

सोया भाग्य

एक व्यक्ति जीवन से हर प्रकार से निराश था। लोग उसे मनहूस के नाम से बुलाते थे। एक ज्ञानी पंडित ने उसे बताया कि तेरा भाग्य फलां पर्वत पर सोया हुआ है, तू उसे जाकर जगा ले तो भाग्य तेरे साथ हो जाएगा। बस ! फिर क्या था वो चल पड़ा अपना सोया भाग्य जगाने।

रास्ते में जंगल पड़ा तो एक शेर उसे खाने को लपका, वो बोला भाई ! मुझे मत खाओ, मैं अपना सोया भाग्य जगाने जा रहा हूँ। शेर ने कहा कि तुम्हारा भाग्य जाग जाये तो मेरी एक समस्या है, उसका समाधान पूछते लाना। मेरी समस्या ये है कि मैं कितना भी खाऊं ... मेरा पेट भरता ही नहीं है, हर समय पेट भूख की ज्वाला से जलता रहता है।

मनहूस ने कहा– ठीक है। आगे जाने पर एक किसान के घर उसने रात बिताई। बातों बातों में पता चलने पर कि वो अपना सोया भाग्य जगाने जा रहा है, किसान ने कहा कि मेरा भी एक सवाल है .. अपने भाग्य से पूछकर उसका समाधान लेते आना ... मेरे खेत में, मैं कितनी भी मेहनत कर लूँ. पैदावार अच्छी होती ही नहीं। मेरी शादी योग्य एक कन्या है, उसका विवाह इन परिस्थितियों में मैं कैसे कर पाऊंगा ?मनहूस बोला — ठीक है|

आगे जाने पर वो एक राजा के घर मेहमान बना। रात्री भोज के उपरान्त राजा ने ये जानने पर कि वो अपने भाग्य को जगाने जा रहा है, उससे कहा कि मेरी परेशानी का हल भी अपने भाग्य से पूछते आना। मेरी परेशानी ये है कि कितनी भी समझदारी से राज्य चलाऊं... मेरे राज्य में अराजकता का बोलबाला ही बना रहता है।मनहूस ने उससे भी कहा — ठीक है।

अब वो पर्वत के पास पहुँच चुका था। वहां पर उसने अपने सोये भाग्य को झिंझोड़ कर जगाया— उठो ! उठो ! मैं तुम्हें जगाने आया हूँ। उसके भाग्य ने एक अंगडाई ली और उसके साथ चल दिया। उसका भाग्य बोला — अब मैं तुम्हारे साथ हरदम रहूँगा। अब वो मनहूस न रह गया था बल्कि भाग्यशाली व्यक्ति बन गया था और अपने भाग्य की बदौलत वो सारे सवालों के जवाब जानता था।

वापसी यात्रा में वो उसी राजा का मेहमान बना और राजा की परेशानी का हल बताते हुए वो बोला — चूँकि तुम एक स्त्री हो और पुरुष वेश में रहकर राज – काज संभालती हो, इसीलिए राज्य में अराजकता का बोलबाला है। तुम किसी योग्य पुरुष के साथ विवाह कर लो, दोनों मिलकर राज्य भार संभालो तो तुम्हारे राज्य में शांति स्थापित हो जाएगी।

रानी बोली — तुम्हीं मुझ से ब्याह कर लो और यहीं रह जाओ। भाग्यशाली बन चुका वो मनहूस इन्कार करते हुए बोला — नहीं नहीं ! मेरा तो भाग्य जाग चुका है। तुम किसी और से विवाह कर लो। तब रानी ने अपने मंत्री से विवाह किया और सुखपूर्वक राज्य चलाने लगी। उसने वहां से विदा ली। चलते चलते वो किसान के घर पहुंचा और उसके सवाल के जवाब में बताया कि तुम्हारे खेत में सात कलश हीरे जवाहरात के गड़े हैं, उस खजाने को निकाल लेने पर तुम्हारी जमीन उपजाऊ हो जाएगी और उस धन से तुम अपनी बेटी का ब्याह भी धूमधाम से कर सकोगे। किसान ने अनुग्रहित होते हुए उससे कहा कि मैं तुम्हारा शुक्रगुजार हूँ, तुम ही मेरी बेटी के साथ ब्याह कर लो। पर भाग्यशाली बन चुका वह व्यक्ति बोला कि नहीं !नहीं ! मेरा तो भाग्योदय हो चुका है, तुम कहीं और अपनी सुन्दर कन्या का विवाह करो। किसान ने उचित वर देखकर अपनी कन्या का विवाह किया और सुखपूर्वक रहने लगा।

शिक्षा : सच है यदि आपके पास सही मौका परखने का विवेक और अवसर को पकड़ लेने का ज्ञान नहीं है तो भाग्य भी आपके साथ आकर आपका कुछ भला नहीं कर सकता।

9. बूझो तो जानें

"वह कौन-सी चीज़ है जो जितनी बढ़ती है, उतना कम दिखाई देती है?" ➡ उत्तर : अंधेरा

10. रोचक तथ्य

मनुष्य की हड्डियाँ स्टील से भी अधिक मज़बूत होती हैं,लेकिन वज़न में बहुत हल्की होती हैं।

11. विब्गागीय सूचना

- ❖ जो विद्यालय जिला स्तरीय विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आवेदन दिए हैं कल दिनांक 08.10.2025 को शारदा ब्रजराज +2 उच्च विद्यालय मोहनियां में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे |
- ❖ PBL MIP पूरा करने की अंतिम तिथि 10.10.2025 है | अत: सभी विद्यालय 08.10.2025 तक MIP पूरा करके स्क्रीनशॉट ग्रुप में भेजना सुनिश्चित करें |
- ❖ आज विकसित भारत बिल्डथान 2025 का रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें |

कैमूर चेतना-सत्र टीम
हर सुबह एक नई चेतना
संपर्क सूत्र : 8271039022